considering winding up the Nigam —the Government has created this Nigam only allow the telephones service to be taken out of public scrutiny, because once you hand it over to certain other organisation, it takes away from any public scrutiny and keeps it out of public scrutiny. So, I want to know whether it is a fact that the Nigam has been created for this purpose only.

SHRI VASANT SATHE: No, it is not a fact. I do not agree with the interpretation and attribution of motive to the formation of the Nigam which the hon. Member has done. In fact, the hon. Member should at least give me some credit for having been completely candid and honest about the operation of the Nigam. We have an open mind; I have said it. What more do you want?

MR. CHAIRMAN: Next question.

*163. [The questioners (Shri Pramod Mahajan and Shri Shanker Sinh Vaghela) were absent. For answer, vide cols. 34 infra.]

राजस्थान के सीकर जिले में सौर ऊर्जा विद्युत संयंत्र की स्थापना

*164. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सीकर जिले में गांव अखैपुरा की तुगंता को दृष्टिगत रखते हुए यहां सौर ऊर्जा विद्युत संयंत्र की स्थापना करने की कोई योजना है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री और संचार मंत्री (श्री वसंत साठे) : (क) और (ख) राजस्थान में 30 मेगावाट सौर विद्युत संयंत्र की स्थापना की सम्भावना और स्थान निर्धारण को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है । इस बीच देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ राजस्थान में लघु सौर विद्युत एककों की स्थापना सहित अपारंपरिक ऊर्जा की अन्य प्रणालियों के एक व्यापक कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया जा रहा है । राजस्थान में 300 से अधिक ग्रामों में सड़क बत्तियों के लिए सौर विद्युत एकक पहले ही प्रदान किए जा चुके है । राज्य सरकार की नोडल एजेंसी (रेडा) को कहा गया है कि वे लघु सौर विद्युत एककों को लगाने के साथ-साथ एकीकृत ग्राम ऊर्जा परियोजनाओं , जिन्हें "ऊर्जा ग्राम" कहते हैं, की स्थापना के लिए अतिरिक्त ग्रामों का पता लगाने हेतु ऊर्जा सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ करें ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सभापति जी, यह संभावना पता लगाने का काम कई वर्ष से विचाराधीन है । मैं जानना चाहता हूं कि संभावना पता लगाने का काम किस वर्ष शुरू किया गया था और इस संबंध में अंतिम निर्णय लेने में कितना समय लगेगा क्योंकि यह स्थान सब से ऊंचे स्थान हैं भारतवर्ष में ?

श्री वसंत साठे : यह ऊर्जा ग्राम की कल्पना दो वर्ष पहले हम ने शुरू की थी और यह कल्पना थी कि हर एक संसद् सदस्य के विभाग में कम से कम एक गांव ऐसा हो जो इंटीग्रेटेड इनर्जी का...

श्री सभापति : राज्यसभा वाले भी इस में शामिल हैं, क्योंकि उन की कोई अलग कांस्टीट्यूयेसी नहीं होती ।

श्री वसंत साठे : हां हैं । वह जो गांव सजेस्ट करेंगे वहां भी उस की कल्पना है । लेकिन रिसोर्सेज का असली सवाल है क्योंकि वह इस के पास बहुत कम हैं और हम पर्याप्त मात्रा में करना भी चाहें तो कठिन है । लेकिन ऊर्जा के नान-कंवेंशनल सोर्सेज, प्राकृतिक ऊर्जा के स्रोतों द्वारा इन गांवो को बिजली के मामले में संपन्न बनाया जायगा ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : यह जो व्यापक कार्यक्रम है इस संबंध में राजस्थान में कुछ कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है । मैं संक्षेप में उस का विवरण चाहता हूं ।

श्री वसंत साठे : कार्यक्रम व्यापक हैं तो उस का विवरण संक्षेप में कैसे होगा। लेकिन इतना कह सकता हूं कि कल्पना यह है कि गांवों में जहां पारंपरिक ऊर्जा हम नहीं पहुंचा सकते रास्ते में, जो दूर हैं, जहां बिजली की लाइन्स नहीं ड्रा की जा सकती वहां कम से कम प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों–सोलर इनर्जी, बायो गैस इनर्जी, बायो मास इनर्जी, आदि के द्वारा, गांवों की जो ऊर्जा की आवश्यकता है, वह पूरी की जाये। यह संकल्पना है इस में।

PROF. B. RAMACHANDRA RAO: Sir, at the outset, I would like to congratulate the Department of Non-conventional Energy Sources for the excellent work they have been doing in various areas. I would also like to urge upon the Minister to increase the allocation for this department so that it will be more useful to the villages where such work is being done. But my question is that this solar energy power plant of the order of 30 MW or the technology of it is already available and about 20 such plants are being planned all over the world. I wonder whether the Minister is planning to have an expert from outside to give us the designs, and with these designs and with the indigenous experts available, whether he will plan to build up this plant as soon as possible because this is cost-effective and it is environmentally free from any kind of pollution. Therefore I would like to urge that this is very important.

Secondly, it is not merely a question of a village in Akhaipura being considered because of its height, but I would also suggest the inland southern region, where almost 300 sunlit days would be available, to be considered for such a project.

SHRI VASANT SATHE: I entirely agree with the hon. Member that solar projects of 20, 30 or even upto 50 MW size are now considered quite viable We are having negotiations and discussions with quite a few countries where this expertise has been developed and we are hopeful that very soon in Rajasthan, Punjab and in a couple of places we will be able to set up these solar power plants.

I agree about the other aspect also that where solar energy is available for more than 300 days in this country, we would like to utilise solar energy. That will give a break through in this country.

डा० बापू कालदाते : सभापति महोदय यह बात सही है कि राज्य सरकारों के जरिए से हम लोगों के पास भी यह चिट्ठी आ पहुंची है कि आप एक दो गांवों का नाम दे दीजिए। हम जहां तक देखते हैं, यह जो पारंपरिक ऊर्जा है, उसके लिए जितनी धनराशि खर्च करनी चाहिए वह बहुत ही कम है। अब अगर हमसे नाम लेते हैं और उसका सर्वे भी हो चुका है, तो हम आपसे पूछना चाहते है कि उसकी जो लागत आएगी, उसका खर्च कौन करने वाला है ? उसके लिए ऐजेंन्सी राज्य सरकार है या यहां से आप मानिटर करने वाले हैं ?

श्री वसंत साठे : श्रीमन्, एक गांव को अगर ऊर्जा ग्राम बनाना हो तो उसक खर्चा अंदाजन 10 लाख रुपए आता है कल्पना यह है कि कुछ तो उपकरण के रूप में हम सबसिडाइज करेंगे और इस तरह से राज्य सरकारों की भी इसमें यंत्रणा होती है क्योंकि उसकी मार्फत यह किया जाता है। जैसे गुजरात में किया गया है, यहां भी किया गया है, और भी बहुत सी जगह किया गया है। लेकिन यह बात सच है कि ले दे कर यह सारा सवाल पैसे का है, रिसोर्सेज का है किसी तरह से यदि 10 लाख रुपया प्रति विलेज जुटा सकें तो कोई भी विलेज अडॉप्ट किया जा सकता है और उसको हम ऊर्जा ग्राम में परिवर्तित कर सकते हैं। मैंने उसे अपारंपरिक ऊर्जा नहीं कहा है, मैं उसको प्राकृतिक ऊर्जा कहना चाहता हूं, सही मायने में वह प्राकृतिक ऊर्जा है और प्राकृतिक ऊर्जा के जरिए हम चाहते हैं कि अपने गांवों को आत्म-निर्भर बनाया जाए।